RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 41 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 16 मार्च 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

यादों के अलावा समर्पण जरूरी है

गोविन्द सिंह जंगपांगी से बातचीज

तिब्बत से आने वाले मित्र उपहार देते थे

गर्मी में बुर्फू और ह्यून में दुम्मर, इमला, भकुंडा आ जाते थे परिवार

कदली वृक्ष डंठ्ल में द्यार डालकर लालटेंन जलाने का खेल करते थे बच्चे

हुनकारा की यादें भुलाए नहीं भूलती जब लोगों में परस्पर मेल होता

कार्यालय प्रतिनिधि

किसी भी समाज को बनाने के लिये यादों के अलावा समर्पण जरूरी है। अपने समाज के लिये ऐसे ही समर्पित हैं श्रीमान गोन्दिन सिंह जंगपांगी। वरिष्ठ नागरिक के अलावा 'बूबू' के रूप में प्रतिष्ठि जंगपांगी जी की बात करें तो जोहार के पदम सिंह जंगपांगी के पुत्र हुए मान सिंह जंगपांगी। पिता मानसिंह और माता श्रीमती चन्द्रा देवी के घर गोविन्द सिंह व मंगल सिंह ने जन्म लिया। 3 मार्च 1949 को बुर्फू में जन्मे गोविन्द सिंह सीमान्त के जिस दुरुह क्षेत्र से आते हैं उतनी ही गहराई उनके व्यवहार में है।

बचपन की पढ़ाई दरांती ग्राम में हुई। माइग्रेश के रूप में जब-जब परिवारों की यात्रा होती इनका परिवार भी बुर्फू से दुम्मर आता। बुर्फू, दरांती के अलावा अपने मामकोट छिनका, गढ़वाल में शिक्षा दीक्षा के बाद अल्मोड़ा कालेज से पढ़ने वाले गोविन्द सिंह जी सन् 1071 में आर्मी में भर्ती हो गए। 6 साल तक सेना की सेवा के बाद ओरिएंटल इंश्योरेंश कम्पनी लि. में इनका प्रतिभा का लाभ मिला। मार्च 2009 में डिविजन मैनेजर के पद से सेवानिवृत्त होने वाले 'बूबू' जी ने समाज में अपनी सक्रियता को बरकरार रखा है।

बुर्फू से जंगपांगी परिवार मल्ला दुम्मर, भकुण्डा, इमला में रहने लगे थे। अपने बचपन की यादों में डूबते हुए गोविन्द सिंह बताते हैं- बचपन का एक खेल था केले(कदली) के पेड़ की डंठ्ल में द्यार डालकर उसे जलाते हुए लालटेंन जलाते थे। परिवार ह्यून(जाड़ों) में भकुण्डा आ जाता और गर्मी में बुर्फू जाता था। तिब्बत व्यापार की अवसर इन्हें नहीं मिला लेकिन वह यादें इनके साथ जुड़ी हैं जब व्यापारी तिब्बत जाते थे और वहाँ से भी आने वाले जोहार आते थे। वह बताते हैं जिस प्रकार ब्राह्मणों के जजमान होते हैं उसी तरह तिब्बती मित्रों यहाँ के लोगों से सम्पर्क था यानी अपने-अपने घनिष्ट परिवार मित्रों के पास उनका आना-जाना था और तिब्बत लौटते समय वह उपहार स्वरूप हुनकारा (तिब्बती बकरी) परिवार को देकर जाते थे। हुनकारा की यादें भुलाए नहीं भूलती जब लोगों में परस्पर मेल होता था।

वास्तव में श्री जंगपांगी जी की बातों का मर्म यह बताता है कि दुर्गमता के रास्तों में राहें तब

शेष पृष्ठ 2 पर

भारत के मीलपत्थर

हमारे इतिहास का पहला और आखिरी सर्पयज्ञ

सूर्यकान्त बाली

सर्पयज्ञ के बारे में हम जितना जानते चले जाते हैं, उससे हमारी समस्याएँ सुलझने की बजाए उतनी ही उलझती चली जाती हैं। सर्पयज्ञ का अर्थ है एक ऐसा यज्ञ, जिसमें सांपों को नष्ट किया गया था। यह यज्ञ महाराज युधिष्ठिर के प्रपौत्र राजा जनमेजय ने किया था और जो महाभारत के बाद की, यानी द्वापर काल खत्म होने के बाद के भारतवर्ष के इतिहास की सबसे बड़ी घटना थी। जनमेजय ने यह यज्ञ जब किया तो महाभारत का विकट संग्राम हुए एक सदी बीतने को थी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार युधिष्ठिर धृतराष्ट्र द्वारा महाभारत युद्ध के बादखाली कर दिए गए सिंहासन पर छत्तीस वर्षों तक राज कर चुके थे। इसको यथावत मान लिया जाए तो जाहिर है कि परीक्षित के पुत्र जनमेजय ने यह नागयज्ञ काफी बड़ी उम्र में किया था। वे खुद भी करीब साठ-पैंसठ वर्ष के या इससे ज्यादा आयु के रहे होंगे।

सवाल है, जनमेजय ने नागयज्ञ या सर्पयज्ञ क्यों किया था? क्यों किया था उसने एक ऐसा यज्ञ, जिसमें साँप थोक के भाव आ कर गिरने लगे और यज्ञाग्नि में जल कर भस्म होने लगे? क्या संकट था उसे कि वह पूरी सर्प जाति को नष्ट करने पर तुल गया था? अगर यज्ञों के इतिहास का अध्ययन किया जाए तो किसी जाति के विनाश के लिए इस तरह यज्ञ का सहारा शायद पहली बार लिया गया था। ऐसा सहारा क्यों लिया गया?

जाहिर है कि जनमेजय तक्षक नाग द्वारा डस लिए जाने पर अपने पिता परीक्षित की हुई मृत्यु पर भारी क्रोध में थे। जनमेयज को यह तो याद रहा कि तक्षक ने उसके पिता परीक्षित को डर कर मार दिया था, पर उन्हें क्यों भूल गया कि उनके पिता ने अहंकारवश शमीक ऋषि के गले में उस वक्त एक मरा हुआ साँप डाल देने की मसखरी की थी। जब ऋषि ध्यान में लीन थे और उसके बाद शमीक के तेजस्वी पुत्र शृंगी के शाप के कारण तक्षक ने राजा को मारा था। यानी इस पूरे काण्ड में तक्षक का कोई दोष नहीं था क्योंकि अपराध परीक्षित का था और शाप शृंगी का जिसके मारे तक्षक वैसा करने को विवश थे। फिर क्यों किया जनमेजय ने नागयज्ञ? क्यों उस समय के अनेक प्रतिष्ठित ऋषि-मुनियों ने जिनमें स्वयं वेदव्यास भी शामिल थे, इस तरह का भयानक ध्वंसपरक यज्ञ करवाया? इस सवाल से हम आखिर में जा कर फिर से जूझेंगे। फिलहाल सर्पयज्ञ के बारे में जाना जाए।

इस पूरी कथा के तीन पहलू हैं। एक तो वही है जिसके बारे में हम भारत वासियों को परम्परागत रूप से ही काफी कुछ पता है। व्यास, जैमिनि, पिंगल, उद्दालक आदि तेईस मुनियों की सहायता से जनमेजय ने जो भयानक नागयज्ञ किया था, उसके लिए यज्ञ मण्डप कुरुक्षेत्र में बनाया गया था। विधिपूर्वक यज्ञवेदी बनाने के बाद जब यज्ञ शुरू हुआ तो उसमें हर तरह के साँप आ कर गिरने लगे। महाभारत के आदिपर्व (अध्याय 52) में साँपों के यज्ञाग्नि में आ कर गिरने और भस्म होने का बड़ा ही दर्दनाक वर्णन है। इस विवरण के मुताबिक कई तरह के साँप तड़पते हुए और पीड़ा में एक-दूसरे को पुकारते हुए आग में गिरने लगे थे। श्लोक संख्या 5 में महाभारतकार ने लिखा है कि वे उछलते हुए, लम्बी-लम्बी साँसें लेते हुए, अपनी पूँछों और फणों से एक-दूसरे से मानो बँधे हुए आग में गिरने लगे थे- विस्फरन्त: श्वसन्तश्च वेश्टयन्त: परस्परम्, पुच्छै: शिरोभिश्च भृशं चित्रभानुं प्रपेदिरे। साँपों के विचित्र वर्णन में महाभारतकार ने कमाल कर दिया है। प्रबन्धकार के मुताबिक सर्पयज्ञ की अग्नि में गिर रहे कोई साँप एक कोस लम्बे थे, तो कोई चार कोस लम्बे थे जबकि कुछ साँपों की लम्बाई सिर्फ गाय के कान के बराबर थी। पढ़ने में विचित्र तब लगता है जब कवि कहता है कि कुछ साँपों की आकृति घोड़ों की तरह थी तो कुछ की हाथी के समान थी। साँपों की आकृतियों के बारे में ये वर्णन भी शायद अपने आप में अद्वितीय है।

अब जरा कथा के दूसरे पहलू की पड़ताल की जाए जिसका सम्बन्ध तक्षक से है। जनमेजय का असली क्रोध तक्षक पर था जिसकी वजह से बाकी साँप मारे जा रहे थे। इस बीच महाभारत कार ने एक कथा भी बता दी कि जनमेयज का तक्षक पर इसलिए क्रोध बढ़ गया था कि उसने षडयन्त्र करके काश्यप नामक एक ब्राह्मण को राजा परीक्षित के पास जाने से इसलिए रोक दिया था क्योंकि तक्षक ताश्यप के इस विलक्षण प्रभाव को किसी घटना के प्रसंग में जान चुको था कि वह भयानकतम विषधर के जहर को भी प्रभावहीन कर देने की शक्ति रखता है। जनमेजय को क्रोध इसलिए था कि चलो मान लिया कि शृंगी के शाप को पूरा करने के लिए तक्षक उसके पिता को डसने के लिए बाध्य था पर काश्यप को उसने उसके पिता तक पहुँचने से क्यों रोका? उसने रोका, इसी से जाहिर है कि तक्षक स्वयं भी परीक्षित को मारने में रुचि रखता था। इसलिए जनमेजय प्रतीक्षा कर रहे थे कि कब

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

आईएएस और आईएफएस की सम्पत्ति विवरण पर डर क्यों?

उत्तराखण्ड सूचना आयोग ने राज्य में आईएएस व आईएफएस अधिकारियों की आय, सम्पत्ति व भ्रष्टाचार से सम्बन्धित मामलों में महत्वपूर्ण ओदश दिया है। आयोग ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत पूरा विवरण नहीं देने के कार्मिक विभाग के निर्णय पर फिर से परीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने को कहा है। कार्मिक व वन विभाग की ओर से अधिकारियों के भ्रष्टाचार से सम्बन्धित जानकारी को निजता का अधिकार बताते हुए देने से मना कर दिया गय था। जबकि गृह विभाग की ओर से बताया गया कि सेवानिवृत्त डीजीपी पी.डी. रतूड़ी व बी.एस. सिद्धू तथा सेवानिवृत्त एडीजी राकेश मित्तल पर भ्रष्टाचार से सम्बन्धित कार्रवाई गतिमान है।

आईएएस-आईपीएस अधिकारियों की हर साल जनवरी में आय व सम्पत्ति से सम्बन्धित विवरण के परीक्षण के सवाल पर अभिलेख नहीं होने की जानकारी दी गई। जिस पर भी आयोग ने अगली सुनवाई की तिथि 28 अप्रैल की सतर्कता विभाग के गठन, उद्देश्य एवं क्षेत्राधिकार के बारे में स्थिति स्पष्ट करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुतकरने के निर्देश दिए हैं। मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान) हल्द्वानी व चर्चित आईएफएस संजीव चतुर्वेदी की ओर से मुख्य सचिव के लोक सूचना अधिकारी से नवम्बर 2000 से अब तक राज्य के आईएएस, आईपीएस व आईएफएस अधिकारियों पर सतर्कता विभाग, सीबीआई, ईडी की ओर से भ्रष्टाचार से सम्बन्धित मामलों की जानकारी मांग गई थी।

सवाल उठता है कि कोई भी नौकरशाह हो, उसे अपनी सम्पत्ति का व्यौरा देने में क्या दिक्कत है? यदि उसकी पैतृक सम्पत्ति है तो ठीक बात, इसके अलावा बचत कर वह सम्पत्ति जोड़ता है तो वह भी अच्छी बात है। लेकिन बेहिसाब सम्पत्ति के लिये किसी प्रकार से पद का दुरुपयोग वाली बात तो नहीं है यही सब जांच की विषय है। देश को ईमानदार नौकरशाह चाहिए, जिन पर हमें गर्व हो।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

महाविनाशक युद्ध अभी जारी रहेगा

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी महाविनाशक युद्ध अभी कितने दिन जारी रहेगा पता नहीं लेकिन इस लड़ाई में जानमाल का भारी नुकसान हो रहा है। ईरान, लेबनान, इजराइल, अमेरिका सहित कई जगह मौतें हुई हैं। युद्ध की आग कई देशों तक बढ़ चुकी है।

ईरान के हमले भी तेज, टैंकरों को आग

दुबई। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष आग भड़कती जा रही है। ईरान के तेज ममलों में अमेरिक टैंकरों को आग लगाई गई। ईरान ने पड़ोसी अजरबैजान पर ड्रोन हमले से तबाही मचाई। इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों में बड़े पैमाने पर हमले जारी रखे हुए हैं।

ट्रंप-बाइडन हत्या साजिश में ईरान का नाम

वाशिंगटन। अमेरिका में एक पाकिस्तानी नागरिक पर अमेरिकी नेताओं की हत्या की साजिश रखने का आरोप लगा है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार आरोपी आसिफ मर्चेन्ट ने अमेरिकी अदालत में दावा किया उसे यह योजना रखने के लिए ईरानी जासूसों ने मजबूर किया।

डूम्सडे बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण

पश्चिम एशिया में तनावपूर्ण हालातों के बीच अमेरिका ने कैलिफोर्निया तट से दूर एक विनाशकारी बैलिस्टिक मिसाइल डूम्सडे का परीक्षण किया। यह हिरोसीमा पर गिराए गए परमाणु बम से 20 गुना ज्यादा ताकतवर परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है।

हिन्दमहासागर में घमासान

कोलम्बो। अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के पास ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडी मिसाइल से हमला कर डुबो दिया। हिन्दमहासागर के रास्ते ईरान लौटते समय युद्धपोत को गाले, श्रीलंका से 40 नॉटिकल मील दक्षिण में टॉरपीडी निशाना बनाया गया। युद्ध यह आग भारत के करीब है।

स्पेन पर अमेरिका-यूरोप में तनातनी

बाशिंगटन। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल के सैन्य संघर्ष के बच अमेरिका ने एक और मोर्चा खोल दिया है। उसने बर्ली को अपना एयर बेस इस्तेमाल करने की छूट न देने पर स्पेन को धमकाया तो तमाम यूरोपीय देशों ने इस देश का समर्थन करके अमेरिका को चौंका दिया।

फसक

दाज्यू, मरामार-कटाकाट हर युग में होने वाली ठैरी

बेचारे लोग तो दाल-रोटी के जुगाड़ में ही मर-खप जाते हैं बल

दाज्यू, कनाडा ने भारत को यूरेनियम देने की घोषणा जब की तभी से हमारे भुप्पी दा रंग में रंग उड़ा रहे हैं। यह कहने पर कि होली निपट चुकी है, वह मान ही नहीं रहे। कह रहे थे- 'विश्व गुरु हैं और रहेंगे।' दाज्यू, हमें ब्रह्माण्ड की घूमती सूरत याद आ जाती है जबकि लेबनान और खाड़ी के अन्य देशों में ईरान युद्ध आग पर आग लगा रहा है। अमेरिका इजरायल की ओर से ईरान के सबसे ताकतबर नेता और मुखिया अयातुल्ला अली खेमेनई को मारने के बाद से बमबारी हो रही है। दाज्यू, इस राक्षस्योव के लिये क्या जो कहें? मरामार-कटाकाट हर युग में होने वाली ठैरी।

अपने नैनीताल में यातायात पुलिस ने फर्जी पर्यटक गाइड पकड़ लिया। दाज्यू, आप जानने ही वाले ठैरे कि दाल-रोटी के जुगाड़ में सबकुछ होने वाला हुआ। रामनगर में रोडवेज डिपो के वरिष्ठ स्टेशन प्रभारी ने बस के परिचालक पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए परिवहन निगम के महाप्रबन्धक को पत्र लिखकर आत्मदाह की चेतावनी दे डाली। आरोप है कि परिचालक ने साहब को थप्पड़ जड़ दिया और धक्का मारकर कैश रूम से बाहर निकाल दिया था।

दाज्यू, पूछो मत क्या जो नहीं हो रहा है। होली के दिन श्रीनगर गढ़वाल के कीर्तिनगर क्षेत्र में कुछ लड़कों का व्यापारियों से भयंकर झगड़ा हो गया। एक व्यापारी के सर पर गम्भीर चोटें आयी और दो घायल हो गये। नाराज व्यापारियों ने बाजार बन्द कर गुस्सा जताया। रुद्रपुर में भाजपा पार्षद के सुपुत्र ने किशोरी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया बल। सुल्तानपुर पट्टी में भी रंग लगाने को लेकर दो पक्षों में फोड़ाफोड़ हा गई थी। दाज्यू, एक को वैसे ही अमेरिका इजराइल के साथ ईराक के युद्ध ने धुन्धकारी मचा रखी है, ऊपर से अपने गाँव घर के लौंडेमौंडे नहीं मान रहे हैं। दाज्यू, काशीपुर पुलिस ने एक बन्धक नाबालिक को छुड़ाते हुए चार को अन्दर किया है। दस माह पहले घर से गायब हुई किशोरी को बन्ध बनाकर देह व्यापार कराने वाले उसे हरियावाला के एक मकान में ले गये हैं। मुरादाबाद, गजरौला, महुआखेड़ा के रहने वाले और इनके साथ एक महिला ने मिलकर किशोरी को बन्धक बनाया था बल। इस बीच नैनीताल घूमने आई युवती से एक टैक्सी चालक ने दुष्कर्म का प्रयास किया, किसी प्रकार जंगल में छिपकर बालिका ने जान बचाई। दाज्यू, दिल्ली निवासी युवती देहरादून से हल्द्वानी बस में आई और फिर टैक्सी में नैनीताल जाने लगी लेकिन टैक्सी चालक ईराक-इजराइल अमेरिका के झगड़े में इतना बेसुध था कि उसकी नियत खराब हो गई बल।

दाज्यू, देश-दुनिया में बबंडर मचाने वालों को पता नहीं क्या जो जाता होगा। बेचारे लोग तो दाल-रोटी के जुगाड़ में ही मर-खप जाते हैं बल। रोटी के लिये तड़फ रहे जमाने को देखना छोड़ ठिल्लन मार्का अपने सेन्ट-क्रीम को ही देखते रहते हैं। पता नहीं कितना गोला-बारुद उडेल कर दुनिया को सताने का इरादा है और कितना इनके भीतर सड़ रहा है। रुद्रपुर के भूतबंगला इलाके में साम्प्रदायिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास हुआ। ईश्वर, रक्षा करे। -तुम्हारा भुली झकरुवा

यादों के अलावा.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

आसान हो जाती हैं जब सहयोगात्मक भावना हो और समाज के लिये कुछ करने की ललक। अपनी सेवाओं के दौरान समाज और मित्रों के लिये समर्पित रहे गोविन्द सिंह जी सेवानिवृत्त के बाद भी बेहद सक्रिय हैं और उनकी कोशिश हमेशा जोड़ने की रही है। मल्ला जोहार में होने वाली हरि प्रदर्शनी से लेकर अन्य तमाम आयोजनों पर ठोस कार्य के पक्षधर श्री जंगपांगी जी पिघलता हिमालय परिवार के भी भी संरक्षक रूप में रहे हैं।

उनसे हुई भेंटवार्ता केवल समाचार विचार तक सीमित नहीं बल्कि उन पुरानी यादों को ताजा करना भी है जिससे नई पीढ़ी को उन पुराने दिनों की याद आ सके जब गर्मी-जाड़ा-बरसात में यात्राओं के बीच निकलने वालों ने अपने रास्ते हमेशा सच के साथ बनाए और बहुत ही ईमानदारी से रिश्तों को निभाया। श्री जंगपांगी प्रतिवर्ष मल्ला जोहार हरि प्रदर्शनी के लिये भी तत्परता से जुटते हैं और यत्र-तत्र निवास करने वाले प्रवासियों की टोह भी लेते हैं ताकि वह समाज के प्रति जुड़ाव बनाए रखें। इनकी सहजता-सरलता समाज के प्रति समर्पण को बताता है। वाकेई समाज में इस प्रकार के सयानों का होना सुखदाई है जो स्थितियों को सम्भालते और रास्ते दिखाने का काम करें। इनके अनुभवों का लाभ नई पीढ़ी ने लेना चाहिये।

सार्वजनिक द्यूत रोकथाम विधेयक को मंजूरी

जुआ और जुआघर पर सख्त सजा

उत्तराखण्ड में सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलने और जुआघर चलाने वालों के खिलाफ अब सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। उत्तराखण्ड सार्वजनिक द्यूत रोकथाम विधेयक में जुआ खेलने और खिलाने की गतिविधियों में संलिप्त दोषियों के लिए न्यूनतम तीन माह से लेकर अधिक तम पांच साल तक जेल और पांच हजार रुपये से 10 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है।

कैबिनेट द्वारा इस विधेयक को मंजूरी मिलते ही जुआ खेलने और सट्टेबाजी पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान किया गया है।

टनकपुर, लालकुआ, काशीपुर रूट की रेल इज्जतनगर से चलेंगी

रुद्रपुर। रेलवे ने इज्जतनगर मण्डल के बरेली सिटी यार्ड में रेलवे फाटक संख्या 248 पर एलएचएस (लिमिटेड हाइट सब वे) निर्माण कार्य के चलते कई रेलों का संचालन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ है। इस कारण ही टनकपुर, लालकुआ, काशीपुर रूट पर चलने वाली रेलों को इज्जतनगर से चलाया जायेगा।

रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार 28 अप्रैल तक इन रेलों का टर्मिनल और शॉर्ट ओरिजिनेशन इज्जतनगर स्टेशन पर किया जायेगा। यानी ये रेलें बरेली सिटी स्टेशन तक नहीं जाएंगी।

नैनीताल-भीमताल झील स्थलों को विकसित किया जाएगा, पार्क और पार्किंग सुविधा

देहरादून। आवास विभाग के सचिव डॉ. आर.राजेश कुमार ने राज्य सचिवालय में जनपद नैनीताल की आवास विभाग से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में चर्चा की। बताया गया कि नैनीताल-भीमताल झील स्थलों को विकसित किया जायेगा। इनमें पाथ-वे, पार्क और पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस परियोजना की अनुमानित लागत 2567.49 लाख निर्धारित है। इसमें भीमताल को पर्यटन के लिहाज से अधिक आकर्षक बनाया जाना है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

स्वाद और सेहत

पहाड़ी फल काकू अपने स्वाद के साथ सेहत से भरपूर होता है

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड के पर्वतीय अंचल के पारम्परिक खानपान में जितनी विविधता एवं विशिष्टता है, उतनी ही यहाँ के फल-फूलों में भी। खासकर जंगली फलों का तो यहाँ समृद्ध संसार है। यह फल कभी मुसाफिरों और चरवाहों की क्षुधा शान्त किया करते थे, लेकिन धीरे-धीरे लोगों को इनका महत्व समझ में आया तो लोक जीवन का हिस्सा बन गए। औषधीय गुणों से भरपूर जंगली फलों का लाजवाब जायका हर किसी को इनका दीवाना बना देता है। उत्तराखण्ड में फल जितने स्वादिष्ट होते हैं उतने ही सेहत से भी भरपूर। इन्हीं में से एक है फलों का स्वाद जुबां को ही नहीं बल्कि सेहत में भी 'मिठास' भरता है, मगर काकू फल हमारे चेहरे को चमकाने के लिए रामबाण औषधि है। जापान, एशिया, चाइना के बाद कुमाऊँ के भवाली, रानीबाग, भीमताल, रामगढ़, नथुवाखान में यह फल बड़ी मात्रा में पाया जाता है। इसमें ग्लूकोज, प्रोटीन, टैनिन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेड, शूगर, फैट, विटामीन ए, सी, ई, कैल्सियम और आयरन के साथ मैग्नीसियम भी पाया जाता है।

काकू का बाटनिकल नाम डायोस्पायरोस काकी है खासकर नैनीताल जिले के भवाली, रामगढ़, मुकतेश्वर और नथुवा खान में इसके आसानी से देखा जा सकता है। काकू फल में फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, फैट, विटामिन ई, विटामिन ए, विटामिन सी, शुगर, आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन और मैग्नीशियम पाया जाता है. इतने सारे गुणों को समेटे हुए यह फल कई तरह की बीमारियों को दूर करने में कारगर है। स्थानीय भाषा में इसे कोको के नाम से भी जाना जाता है।

काश्तकार मनोज बताते हैं कि काकू ठण्डे क्षेत्रों में होने वाला फल है। यह चिड़ियाओं का पसंदीदा फल है। दरअसल चिड़ियाओं की वजह से फल का काफी नुकसान होता है, इसलिए इसके पेड़ों को कपड़े या धोती से ढककर रखा जाता है। यह एंटी आक्सीडेंट प्रापर्टीज हैं। साथ ही यह पेट की समस्याओं को दूर करने में कारगर है। यह फल सितम्बर-अक्टूबर के समय में होता है। इसकी दो वैरायटी, एसट्रिनजेंट और नॉन एसट्रिनजेंट देखने को मिल जाएंगी। वहीं वर्तमान मौसम में बाजारों में यह फल 100 से लेकर 120 रुपये किलो तक मिल जाएगा।

उत्तराखण्ड के जंगलों में फलो की संख्या बहुत है, जिसे खाने के बहुत सारे फायदे है साथ ही कई फलों का उपयोग करके बहुत सी दवाइयाँ भी बनाई जाती है पर कई बार बाजार में न मिलने की वजह से या फिर इन फलो कि सही जानकारी नही होने का कारण ये फल जंगलों में ही खत्म हो जाते हैं। काकू सीजनल फल है और इससे शरीर को मल्टीविटामीन, मिनरल मिलते हैं। काकू खाने से चेहरे पर चमक पैदा होती है और हाथ-पैरों में होने वाले दर्द (खवाई) से भी मुक्ति मिलती है।

ज्योतिष की बातें- 272

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह शुक्र उच्चराशि मीन में, सूर्य मित्रराशि मीन में, मंगल बुध व शनि समराशि कुम्भ कुम्भ व मीन में क्रमशः, गुरु शत्रुराशि मिथुन में गोचर करेंगे तथा चन्द्रमा इस सप्ताह मकर, कुम्भ, मीन, मेष व वृषभ में क्रमशः गोचर करेगा।

21 मार्च 2026 को, अभी तक 23 दिनों से वक्री चल रहा, बुध कुम्भ राशि में मार्गी हो जाएगा। अतः बुध अब अपने शुभाशुभ फल सामान्य रूप से सभी जातकों को प्रदान करेगा।

नव सम्वत्सर- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा सूर्योदय कालिक तिथि में नव सम्वत्सर प्रारम्भ होता है लेकिन इस वर्ष प्रतिपदा तिथि क्षय होने के कारण गुरुवार 19 मार्च 2026 को ही 'रौद्र' नाम सम्वत्सर, 2083 विक्रमी प्रारम्भ होगा।

नवरात्र प्रारम्भ- चैत्र शुक्ल प्रतिपदा उदयव्यापिनी तिथि से नवरात्र प्रारम्भ होता है लेकिन इस वर्ष प्रतिपदा तिथि क्षय होने के कारण गुरुवार 19 मार्च 2026 को ही प्रातःकाल 6:53 के बाद कलश स्थापना के साथ ही नवरात्र प्रारम्भ हो जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 160

पति-पत्नी सामान अथवा पूरक

आजकल रिश्ता ढूंढ़ते समय यही विचार रहता है कि लड़का लड़की बिल्कुल एक जैसे हों। जबकि यह विचार सही नहीं है। माता-पिता के शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार के गुण सन्तति में अवश्य ही आते हैं, इनको कोई रोक नहीं सकता। लड़का अधिक बजन वाला है और लड़की भी यदि अधिक बजन वाली है तो निश्चित ही अगली सन्तति अत्यधिक भारी शरीर की होगी जिससे विभिन्न समस्याएं खड़ी होंगीं। लड़के की ऊंचाई अधिक है और लड़की की भी अधिक ऊंचाई है तो अगली सन्तति की लम्बाई अत्यधिक होगी जो कि कष्टदायक होगी। लड़का लड़की यदि दोनों ही सीधे सरल स्वभाव के हैं तो पड़ोसी उनको निश्चित ही बेवकूफ बनाते रहेंगे, उनकी सीधाई का फायदा उठाते रहेंगे। यदि पति पत्नी दोनों ही उग्र स्वभाव के हैं तो सम्भव है कि आपस में भी लड़ते रहें और पड़ोसियों से भी झगड़ा करते रहें। पति-पत्नी दोनों ही अधिक खर्चीले स्वभाव के हैं तो सारी कमाई मिलजुलकर नष्ट करते रहेंगे। इस प्रकार यदि दोनों एक जैसे ही स्वास्थ्य और स्वभाव के होते हैं तो यह वास्तव में उनके लिए भी कष्टकारक होता है और अगली पीढ़ी के लिए तो और भी कष्टकारक होता है। भिन्न-भिन्न स्वभाव और स्वास्थ्य होने पर सन्तुलन बना रहता है । जैसे एक अधिक खर्चीला दूसरा मितव्ययी है, एक उग्र है दूसरा विनम्र है तो परिवार में सन्तुलन बना रहता है। इसलिए लड़का लड़की एक जैसे नहीं ढूंढना चाहिए बल्कि एक दूसरे के पूरक हों, ऐसा विचार करना चाहिए ।

कुछ लोग ऐसा कह सकते हैं कि भिन्न स्वभाव होने के कारण उनमें तालमेल नहीं होगा, ऐसा नहीं है । जैसे कि सूर्य और गुरु, मंगल और गुरु, शुक्र और शनि ये आपस में भिन्न-भिन्न स्वभाव के होने के बावजूद भी इनमें मैत्री अच्छी रहती है ।

-ओंकार नाथ कोष्टा

हल्द्वानी के राजनीतिक समीकरणों पर गणना

सुप्रीम सुनवाई के बाद 18 हजार मतदाता कम होने का अनुमान

हल्द्वानी। सुप्रीम सुनवाई के बाद बनभूलपुरा को लेकर हल्द्वानी विधानसभा का गणित बदलने जा रहा है। अब यहाँ करीब 18 हजार मतदाता कम होने का अनुमान लगाया जा रहा है। हल्द्वानी के राजनीतिक समीकरणों को लेकर पार्टियां और नेता अपनी गणना करने लगे हैं जबकि कुर्सी की चाह रखने वाले पार्टी टिकट के लिये जूझते दिखाई दे रहे हैं। सारे हालातों और सत्ता का दबदबा देखते हुए भाजपा से टिकट के लिये लम्बी कतार है। पूर्व मेयर डॉ. जोगेन्दर रौतेला सहित पार्टी के कई युवा चेहरों के नाम की चर्चा होने लगी है। दूसरी ओर कांग्रेस में विधायक सुमित

पार्टी टिकट के लिये जूझने लगे नेता

हृदयेश सहित अन्य युवा नेता टिकट के लिये उत्साहित हो रहे हैं।

बात बनभूलपुरा की की जाए तो हल्द्वानी सीट पर बनभूलपुरा की भूमिका हमेशा खास रही है। वर्ष 2012 में परिसीमन होने के बाद इस सीट के हाल यह हो गये बनभूलपुरा ही विधायक बनाने की भूमिका में मुख्य हो गया। राज्य बनने के बाद 2002 में कांग्रेस की इन्दिरा हृदयेश इस सीट पर सफल रहीं। 2007 में भाजपा के बंशीधर भगत विधायक बन गये। 2012 में परिसीमन के बाद हल्द्वानी का बड़ा हिस्सा मुखानी, ऊंचापुल, कुसुमखेड़ा, बिठौरिया आदि कालाढूंगी विधानसभा का हिस्सा बन गये। ऐसे में बनभूलपुरा की आबादी के हाथ में विधायक बनाने की मानो चाबी आ चुकी थी। परिसीमन के बाद कांग्रेस ने 2017 और 2022 के चुनाव अपने पक्ष में कर लिये लेकिन इस बार का मामला कांटे भरा होगा। वोटरों के कम होने का मतलब यह भी नहीं है कि सब वोट किसी एक पार्टी को जाएंगे। दोनों पार्टियों के कड़े मुकाबले में भीतरघात करने वाले ज्यादा होंगे।

महिला रामलीला मंचन की तैयारी

शीशमहल मैदान में 30 मार्च से होगी

हल्द्वानी। रामलीला मैदान शीशमहल में 30 मार्च से महिला रामलीला मंचन होगा, इसके लिये जोरदार तैयारियां हो रही हैं। आयोजक मुकेश जोशी ने बताया कि दस अप्रैल तक होने वाले आयोजन के लिये लोगों में उत्साह हैं

गुलमोहर गर्ल के नाम से प्रसिद्ध सामाजिक सरोकारों से जुड़ी तनुजा जोशी ने बताया है कि 30 मार्च को नारद मोह से आरम्भ होने वाली रामलीला में 31 मार्च को श्रीराम जन्म, ताड़िका वध, 1 अप्रैल को सीता स्वयंवर, 2 को दशरथ कैकयी सम्वाद, 3 को केवट प्रसंग, 4 को सूर्पनखा नासिका छेदन, 5 अप्रैल को शबरी प्रसंग, 6 को लंका दहन, 7 को अंगद रावण सम्वाद, 8 को कुम्भकरण मेघनाथ वध, 9 को अहिरावण व रावण वध, श्रीराम राज्याभिषेक के बाद 10 अप्रैल को हवन पूजन प्रसाद वितरण होगा।

मौसम का ताप और पर्यटकों का रुख

हल्द्वानी/नैनीताल। होली के बाद मौसम का ताप बढ़ चुका है और पर्यटकों का रुख देवभूमि की ओर है। अप्रैल माह में बाहर से आने वालों की संख्या में इजाफा होगा। फिलहाल ऑनलाइन होटल बुकिंग का जोर है और कारोबारी आने वाले दिनों के लिये अपनी तैयारी कर रहे हैं। यात्री सीजन में सड़कों को जाम मुक्त रखना पुलिस व प्रशासन के लिये बड़ी चुनौती के रूप में है।

तीन नए निजी विश्वविद्यालयों को मंजूरी

देहरादून। उच्च शिक्षा में निजी क्षेत्रों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए कैबिनेट ने तीन नए विश्वविद्यालयों को मंजूरी दे दी।

उत्तराखण्ड को एजुकेशन हब के रूप में स्थापित करने के लिए कैबिनेट बैठक में उत्तराखण्ड निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026 को रखा गया। इसमें देहरादून में तुलाज विवि, शिवालिक विश्वविद्यालय के साथ ही नैनीताल में माउंट वैली विश्वविद्यालय को निजी विश्व विद्यालय के रूप में स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इन निजी विवि की स्थापना का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में नवाचार, आधुनिकीकरण और शोध कार्यों को बढ़ावा देने के साथ ही सामाजिक आर्थिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है।

टिहरी लेक फेस्टिवल

युवाओं से सामर्थ्य व परिश्रम से नए अवसरों का सृजन करने की अपील

टिहरी। पर्यटन-साहसिक खेल के साथ ही पर्यावरण व संस्कृति के स्पष्ट सन्देश के बीच 'हिमालयन 0.2 द टिहरी लेक फस्टिवल का उद्घाटन सीएम पुष्कर सिंह धामी ने किया। उन्होंने विश्वास जताया कि सुन्दर टिहरी झील आने वाले समय में देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में साहसिक खेलों और पर्यटन का एक प्रमुख केन्द्र बनकर उभरेगा। सीएम ने कहा कि देवभमि उत्तराखण्ड की पावन धरा आध्यात्मिकता और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम रही है। हमारी नदियां, पर्वत, झीलें और परम्पराएं पूरे विश्व को आकर्षित करती रही हैं। आगे कहा कि हमारा लक्ष्य टिहरी को वाटर स्पोर्ट्स और एडवेंचर स्पोर्ट्स के एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का प्रयास है कि हमारे युवा केवल अवसरों की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने सामर्थ्य और परिश्रम से नए अवसरों का सृजन भी करें। आज टिहरी में 400 से अधिक युवा पैराग्लाइडिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये युवा भविष्य में उत्तराखण्ड को वैश्विक पैराग्लाइडिंग मानचित्र पर स्थापित करेंगे। टिहरी लेक फेस्टिबल का विधि वत उद्घाटन करने के बाद सीएम धामी ने कोटी कालोनी में लगे तमाम स्टॉल का निरीक्षण किया। आईटीबीपी के जवानों से मुलाकात की और टिहरी झील में जेअ स्की आ आनन्द लिया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हाकी खिलाड़ियों का चयन

हल्द्वानी। बिहार व रांची में होने वाली 16वीं हाकी इण्डिया प्रतियोगिता में प्रभाग करने के लिये महिला व पुरुष वर्ग कैम्प के बाद 24 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय हाकी के लिये चयन किया गया है। सब जूनियर के मुकाबले के लिये 111 खिड़ालियों ने ट्रायल दिया था।

भूमाफिया पर कार्रवाई न होने से नाराज

भीमताल। ग्राम सोनगाँव में पिछले कई दिनों से बाज के जंगल काटकर भू माफियाओं द्वारा प्लाट बनाए जा रहे हैं। इस बात की जानकारी देते हुए सभासद शिप्रा जोशी ने कहा कि शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही है। ऐसे में नाराज सभासद शिप्रा ने ऐलान किया है कि वह जनता के साथ धरने पर बैठेंगी। कहा कि इससे पहले भी उन्होंने इस जंगल को बचाने के लिए आवाज उठाई थी लेकिन प्रशासन की चुप्पी है।

पूर्णागिरी मेले में उमड़ने लगी है भीड़, ठूलीगाड़ तक रोडवेज का संचालन

टनकपुर। मां पूर्णागिरी मेले पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। इस बार 27 फरवरी से शुरू हुए मेले में अब तक करीब एक लाख श्रद्धालु पूर्णागिरी के दर्शन कर चुक हैं। मुख्य मन्दिर में दर्शन के लिये सुबह से ही लम्बी लाइन लग रही है। बड़ी सुरक्षा के बीच यात्री जत्थे पैदल व वाहनों से पहुंच रहे हैं। बूम और ठूलीगाड़ क्षेत्र में भण्डारों का आयोजन भी इनके द्वारा किया जा रहा है। परिवहन निगम रोडवेज द्वारा ठूलीगाड़ तक बसों का संचालन किया जा रहा है। ठूलीगाड़ से भैरव मन्दिर तक शटल सेवा के तहत 60 टैक्सी वाहनों का संचालन किया गया है। होली के बाद बरेली, पीलीभीत से आने वाली ट्रेनों में जबर्दस्त भीड़ है। यात्रियों की भीड़ पूर्णागिरी के बाद नेपाल स्थित सिद्धबाबा मन्दिर के दर्शन को भी उमड़ रही है। इसी प्रकार शारदा घाट पर स्नान के लिये लोगों का आना जारी है। मेले की भीड़ देखते हुए टनकपुर से लेकर पूर्णागिरी और नेपाल के ब्रह्मदेव मण्डी, महेन्द्रनगर तक चहल पहल है।

चारधाम यात्रा के लिये पुलिस तैनाती

देहरादून। चारधाम यात्रा को देखते हुए तैयारियां तेज हो गई हैं। यात्रा मार्ग में 6500 पुलिसकर्मी तैनात किये जा रहे हैं। पूरे मार्ग को दस-दस किमी के सेक्टर में बांटा गया है। गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डे और आईजी राजीव स्वरूप ने यात्रा मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। बताया कि अप्रैल में शुरू होने वाली यात्रा की तैयारियों को देखते हुए जिम्मेदारी तय की गई है। आईजी ने बताया कि पुलिस के सख्त सुरक्षा इन्तजाम हैं और 31 मार्च तक सभी व्यवस्थाएं तय की गई है। पंजीकरण करवाकर चारधाम यात्रा में आने वालों को उनके मोबाइल नम्बर पर सन्देश के जरिए रूट डायवर्जन और खराब मौसम की जानकारी दी जाएगी। इस बीच पर्यटन विभाग की ओर से यात्रा पर आने वालों के लिये ऑनलाइन पंजीकरण जारी है। 22 अप्रैल को केदारनाथ और 23 को बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने हैं।

नगर निगम के नये भवन का निर्माण होगा

रुद्रपुर। नगर निगम रुद्रपुर के नए और आधुनिक कार्यालय बहुमंजिला भवन निर्माण के लिये शासन ने 1574.24 लाख रुपये के बजट को अपनी प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति दे दी है। महापौर विकाश शर्मा ने बताया कि तीन मंजिले भवन में बड़ी पार्किंग के अलावा छत पर बड़े हॉल का प्रावधान भी है।

चम्पावत को सिटी सेंटर की सौगात

चम्पावत। सीएम की घोषणा के अनुरूप चम्पावत नगर को 62.33 करोड़ रुपये की राशि से सिटी सेन्टर की सौगात मिली है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत एक ही परिसर में मल्टीस्टोरी पार्किंग, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स और आधुनिक कार्यालयों की सुविधा मिलेगी। इस भव्य इमारत के निर्माण में पारम्परिक कुमाउंनी वास्तुकला की झलक देखने को मिलेगी।

काठगोदाम से नया बाईपास जाम से मुक्त करेगा

हल्द्वानी। काठगोदाम में होने वाले भयंकर जाम से मुक्ति के लिये नये बाईपास की तैयारी है। शासनादेश के बाद इसमें टेंडर होगा। सीएम ने काठगोदाम बाईपास प्रोजेक्ट को हरी झण्डी दिखा दी है। साढ़े तीन किमी लम्बे बाईपास के निर्माण में करीब 25 करोड़ का खर्च आएगा। यह बाईपास काठगोदाम-नैनीताल हाईवे का विकल्प होगा और अति व्यस्त नरीमन चौराहे से एचएमटी मोड़ के बीच वाहनों की संख्या आधी रह जाएगी।

बताते चलें कि कुमाऊँ के प्रवेश द्वार पर अत्यधिक जाम के कारण पर्यटकों व स्थानीय लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। पहाड़ को प्रवेश करने वालों की कतार नैनीताल और भीमताल दोनों ओर जाने वाली सड़कों पर लगी रहती हैं। पर्यटन सीजन में तो हाल और भी बुरा हो जाता है। समस्या के समाधान के लिये 2019 में बाईपास का प्रस्ताव बनाया गया था। वन मंत्रालय की ओर से 3.27 हैक्टेयर भूमि के हस्तान्तरण की स्वीकृति पूर्व में ही मिल चुकी थी। अब जाकर यह कार्य स्वीकृत हुआ है।

परिक्रमा

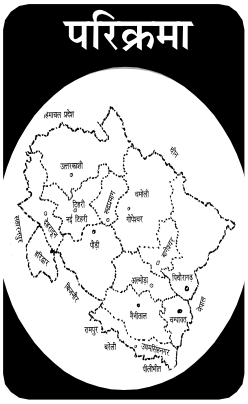

भारत-जापान का संयुक्त सैन्य अभ्यास चौबटिया में

रानीखेत। भारतीय सेना और जापान ग्राउण्ड सेल्फ डिफेंस फोर्स के बीच वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्मा गार्डियनक का सातवां संस्करण चौबटिया स्थित विदेशी प्रशिक्षण केन्द्र में हुआ। इस अभ्यास में दोनों देशों के 120-120 सैनिकों ने भागीदारी की।

जापान की ओर से 32वीं इन्फैंट्री रेजिमेंट के जवान इसमें शामिल हैं जबकि भारतीय सेना की ओर से लद्दाख स्काउट्स के सैनिक अभ्यास का हिस्सा बने। यह अभ्यास बारी-बारी से भारत और जापान में आयोजित किया जाता है और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने का एक अहम माध्यम बन चुका है। इसका मुख्य उद्देश्य अर्ध-शहारी वातावरण में संयुक्त सैन्य अभियानों के लिए आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना और संयुक्त क्षमताओं को बढ़ाना है। दो सप्ताह के दौरान सैनिक उच्च स्तर की शारीरिक दक्षता, संयुक्त योजना निर्माण, सामरिक तालमेल और आधुनिक सैन्य तकनीकों के उपयोग पर जुटे। इसमें अस्थायी परिचालन आधार की स्थापना सहित अन्य अभ्यास किये गये।

सड़कें तिरंगा लाइट से जगमगाएंगी

अल्मोड़ा। सांस्कृतिक नगरी की सड़कें अब रात्रि में तिरंगा लाइट से जगमगाएंगी। नगर निगम ने शहर को जगमगाने और पर्यटकों को लुभाने के लिये इस प्रकार की पहल की है। योजना के तहत 700 तिरंगा स्ट्रीट लाइट स्थापित की जाएंगी। पहले चरण में माल रोड पर करबला से पाण्डेखोला तक 5 लाख रुपये से 200 तिरंगा लाइट स्थपित की जाएंगी। योजना के तहत नगर निगम विभागीय मद से कुल 700 स्ट्रीट लाइट लगवाएगा। इससे नगर में पहुँचने वाले पर्यटकों का स्वागत तिरंगे के रंगों की रोशनी के बीच होगा। तिरंगा थीम न केवल शहर की सांस्कृतिक पहचान बनाएगी बल्कि यह रात्रि में सैर को निकलने वाले पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केन्द्र होगी। निगम ने इसके लिये तैयारी कर ली है।

राईकोट में शराब और जुए पर लगाम लगेगी

लोहाघाट। निकटवर्ती ग्रामसभा राईकोट में ग्राम हित में ग्राम प्रधान सरोज कुवर व ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। प्रधान की अध्यक्षता में राईकोट में शराब और जुए पर लगाम लगाने की बात तय हुई। इसके तहत अब गाँव के मन्दिरों या किसी भी पूजा पाठ के दौरान कोई भी देव डांगर शराब पीकर आता है तो उस पर कठोर कार्रवाई होगी। शादी बारातों आदि में भी शराब व जुए पर रोक होगी।

मुआवजे के लिए सड़क जाम कर दी

धारचूला। कालिका-खुमती सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित की गई भूमि के मुआवजे को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। खुमती के ग्रामीणों ने मुआवजे की राशि कम होने का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर दी। बोल्डर रखकर सड़क जाम होने से कई किलोमीटर तक वाहनों का जाम लग गया। किसी प्रकार फिलहाल इन्हें मनाया गया है। सड़क जाम कर रहे प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जिस उपजाऊ भूमि पर खेती कर रहे थे वे अपनी आजीविका चलाते थे, उसे सड़क निर्माण के लिये दे दिया। अब विभाग की ओर से उन्हें मात्र 22000 रुपये प्रति नाली की दर से मुआवजा दिया जा रहा है जो उनके उनके हितों के खिलाफ है। प्रदर्शन करने वालों में दिनेश सिंह, काली देवी, आनी देवी, मोहन सिंह, ज्योति, निशा, राधा देवी, नर सिंह, पंकज सिंह, दान सिंह, तारा देवी, मुन्नी देवी आदि ग्रामीण थे।

धारचूला हाईवे पर धूल से दिक्कत

अस्कोट। पिथौरागढ़-धारचूला हाईवे पर सड़क चौड़ीकरण के दौरान यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ देखा जा रहा है। सड़क पर बिखरे मलबे से उठती धूल में चालकों को दिक्कत हो रही है। धूल के कारण सड़क नहीं दिखने से खतरा हो रहा है। दिनभर में कई बार जाम लगने से यात्रि परेशान हैं।

31 होम स्टे के लाइसेंस निरस्त किए

हल्द्वानी। जिला प्रशासन ने अवैध तरीके से होम स्टे संचालन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए 31 होमस्टे के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि जिले में होमस्टे के संचालन में गड़बड़ियों की शिकायतें मिल रही थी। सबसे ज्यादा शिकायत यह थी कि इनका संचालन अन्य राज्यों के कर रहे हैं।

मुनस्यारी में चोरी-चकारी से भड़के

मुनस्यारी। नगर क्षेत्र में चोरी-चकारी की बढ़ती घटनाओं से भड़के लोगों ने प्रदर्शन करते हुए नाराजी जताई। पर्यटन नगरी में बदहाल कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और व्यापारियों ने तहसील में प्रदर्शन किया और एसबीआई में हुई चोरी का खुलासा सहित अन्य सभी घटनाओं की जांच की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी ललित मोहन तिवारी के माध्यम से डीएम को ज्ञापन भेजा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनोहर टोलिया और व्यापार संघ अध्यक्ष प्रमोद द्विवेदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि पर्यटन नगरी में कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। पिछले चार महीने में कई दुकानों में चोरी हुई है जिसका खुलासा होना चाहिए। नगर में तेज गति बाइक दौड़ा रहे नाबालिकों पर लगाम नहीं है। प्रदर्शनकारियों में कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष दान सिंह बगरी, सुन्दर जौहरी, यूथ अध्यक्ष विक्रम दानू, खुशाल हरकोटिया, चन्द्र गोस्वामी, योगेश भाकुनी, केदार राम, तुला राम, बीडीसी सदस्य देवा राणा आदि थे।

डीडीहाट में भूमि को लेकर सामना

डीडीहाट। जल संस्थान पर जीआईसी की भूमि पर कब्जे का आरोप लगा है। भवन निर्माण को लेकर स्कूल प्रबन्धन और जल संस्थान आमने-सामने हैं। बताया जाता है कि स्कूल से सटा हुआ खेल मैदान पर जल निगम ने बिना अनुमति के पानी का टैंक निर्माण कर दिया। पानी की जरूरत देखते हुए स्कूल प्रशासन चुप रहा। लेकिन अब भवन निर्माण होने पर विभागों का सामना है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हमारे इतिहास का...

प्रथम पृष्ठ का शेष

तक्षक यज्ञाग्नि में आ कर गिरे, भस्म हो और उनका प्रतिशोध पूरा हो। उधर चालाक पर भयभीत तक्षक जा कर इन्द्र के सिंहासन से लिपट गया और इस तरह उसने अपने को सुरक्षित छिपा हुआ मान लिया। पर यज्ञ चल रहा था और तक्षक को उसमें आ कर गिरना ही था, इसलिए याज्ञिकों के मंत्रोच्चार के प्रभाव से अपने सिंहासन पर बैठे इन्द्र भी यज्ञाग्नि में आ कर गिरने को हो गए।

बस यहीं से सर्पयज्ञ की कथा का तीसरा और निर्णायक पहलू शुरू होता है। सर्पयज्ञ की बात सुन कर नागराज वासुकि परेशान हो गए। अपनी जाति के सम्पूर्ण नाश की सम्भावना से वे खासे विचलित थे। यज्ञाग्नि की गर्मी से उनके बदन में भी जलन हो रही थी और वे विनाश के करीब जा रहे थे। लाचार नागराज वासुकि ने अपनी बहन जरत्कारू को बुलाया जिसका विवाह वासुकि ने जिस मुनि से किया था उसका नाम भी जरत्कारू था। जरत्कारू-दम्पत्ति को एक तेजस्वी पुत्र प्राप्त हुआ था- आस्तीक। वासुकि ने बहिन जरत्कारू से अनुरोध किया कि वह अपने बेटे आस्तीक को जनमेजय के पास भेजे और यज्ञ रुकवाने की कोशिश करे अन्यथा सम्पूर्ण सर्पजाति का समूल नाश अवश्यंभावी है। माँ के कहने पर आस्तीक कुरुक्षेत्र गए और यज्ञस्थल पर पहुँच कर उन्होंने सभी की प्रशंसा की, यज्ञाग्नि की स्तुति की और यज्ञ करवा रहे ब्राह्मणों का गुणगान किया। बालक आस्तीक की मधुर प्रशंसा वाणी से जनमेजय इतने प्रसन्न हुए कि वे उसे वरदान की प्रतिज्ञा दे बैठे। वरदान में आस्तीक ने सर्पयज्ञ रोक देने की इच्छा प्रकट की तो राजा की परेशानी बढ़ी। राजा को प्रसन्न करने के लिए आस्तीक ने सर्पजाति से एक आश्वासन माँगा कि अगर सामने साँप आ जाने का कोई व्यक्ति उसे आस्तीक का वचन याद करा देगा तो साँप उसे काटेगा नहीं। तब से भारतवर्ष में ऐसी परम्परा चल पड़ी है। महाभारत के आदिपर्व के अध्याय 58 का 25वाँ श्लोक है-

सपपिसर्प भद्रं ते गच्छ सर्प महाविष
जनमेजय यज्ञान्ते आस्तीकवचनं स्मर

अर्थात हे महाविषधारी सर्प, जनमेजय के यज्ञ के अन्त में आस्तीक ने जो कहा था उसे याद करो और यहाँ से चले जाओ, जाओ तुम्हारा कल्याण हो। परम्परा यह चल पड़ी कि साँप को देखते ही यह श्लोक (या श्लोक का भावार्थ) बोल देने से साँप काटता नहीं, लौट जाता है।

आस्तीक के इस कथन के बाद सर्पयज्ञ बन्द कर दिया गया, तक्षक बच गया, नागराज वासुकि बच गए और शेष सर्प जाति भी बच गई। इसी आदि पर्व के अध्याय 57 में उन विचित्र नामों वाले साँपों की एक लम्बी सूची दे दी गई है जो सर्पयज्ञ समाप्त होने से पहले इसमें भस्म हो कर मर चुके थे।

अब हमारा आखिरी सवाल खुद अपने से है। क्या सर्पयज्ञ की यह घटना विश्वास लायक नजर आती है? क्या ऐसा यज्ञ हो सकता है? क्या उसमें साँप आ कर गिर कर भस्म हो सकते हैं? क्या तक्षक इन्द्र के सिंहासन से लिपट कर छिप सकता है? क्या फिर वह इन्द्र समेत उस यज्ञाग्नि में गिरने को हो सकता है? क्या नागराज वासुकि अपने भांजे आस्तीक को ऐसे भेज सकते हैं। क्या नागराज कन्या जरत्कारू का विवाह मुनि जरत्कारू नामक मनुष्य से हो सकता है?

कोई भी तर्कशील प्राणी इन सभी प्रश्नों का एक ही उत्तर दे सकता कि ऐसा नहीं हो सकता। फिर क्या करें इस सर्पयज्ञ का? क्या महाभारतकार ने एक बड़े झूठ की कल्पना कर उसे अपने प्रबन्धकाव्य में पिरो दिया है? पर यहाँ भी सवाल है कि महाभारतकार को एक ऐसे झूठ की कल्पना करने की क्या जरूरत थी? उसे इससे क्या भौतिक या आध्यात्मिक लाभ होने वाला था? फिर यज्ञ में हिस्सा लेने वाले तमाम पात्र इतने ऐतिहासिक हैं कि उन पर खड़िया पोतने का दुस्साहस कोई इतिहास विरोधी ही कर सकता है, हम तो नहीं कर सकते। जिन मुनियों ने यज्ञ करवाया, वे सभी इतिहास पुरुष हैं। परीक्षित, जनमेजय, तक्षक, वासुकि, जरत्कारू व आस्तीक सभी हमारे इतिहास के जाने-पहचाने पात्र हैं।

तो क्या करें इस सर्पयज्ञ का, जिसे सर्पसत्र और नागयज्ञ भी कहा जाता है? जाहिर है कि कुछ तो हुआ होगा। कुछ तो ऐसा हुआ होगा कि जिसमें नागजाति और हस्तिनापुर का राजपरिवार किसी बड़े भयानक संघर्ष में फँसे होंगे। नाग का अर्थ वही जमीन पर रेंगने वाला साँप है या कोई नागजाति है जिसका बकायदा शासन भारत के किसी इलाके में रहा था और हजारों सालों के इतिहास ने जिसे मिथक बना कर जमीन पर रेंगने वाले साँपों से एकरूप कर दिया? सारा मामला भारी शोध का विषय है। पर एक बात तय है कि हम शोध करने की मेहनत से तो हाथ चुरा लें और अपने तर्कों के अन्धे तीर चलाने की बहादुरी दिखाते हुए कहना शुरू कर दें कि सब गप है, बकवास है तो हम इस सूखी तार्किकता का समर्थन नहीं कर सकते। सर्पयज्ञ यकीनन किसी बड़ी ऐतिहासिक घटना का काव्य-प्रतिरूप है, बेशक उस घटना की साफ-सुथरी कोई परिभाषा आज हमारे पास नहीं है।

(साभार नवभारत टाइम्स)

युवती को भगाने पहुँचे डाक सेवक धरे गये

मुनस्यारी डाक वितरण में भी हो रही थी घोर लापरवाही

मुनस्यारी। डाक व्यवस्था को हमेशा पवित्र माना जाता है और डाकिया इस इन्तजार हर किसी को होता है लेकिन सीमान्त क्षेत्र मुनस्यारी की डाक व्यवस्था को पलीता लगाने का कार्य कुछ लोगों ने किया। युवती को भगाने पहुँचे डाक सेवक पकड़ के बाद किसी तरह शान्ति हुई है। इससे पहले डाक व्यवस्था के लिये हरियाणा से रखे गये युवक घोर लापरवाही करते रहे हैं। शिकायत होने के बाद डाक वितरण दुरुस्त हुआ। पिघलता हिमालय की ओर से भी डाक वितरण की लापरवाही की शिकायत पर पता चला था कि पहले डाक वितरण के लिये स्थानीय लोगों को हटा कर संविदा पर हरियाणा से युवक रखे गये हैं, जो डाक वितरण करने पर घोर कामचोरी कर रहे हैं। सख्ती के बाद नियमित डाक वितरित होने लगी। इस बीच युवती को भगाने पहुँचे डाक सेवकों की सूचना ने नया हड़कम्प मचा दिया।

बताया जाता है कि मुनस्यारी में हरियाण निवासी तीन डाक सेवक एक युवती को भगाने पहुँच गये। पुलिस मामले को प्रेम प्रसंग बता रही है। बताया जा रहा है कि एक गाँव में डेढ़ साल से ग्रामीण डाक सेवक के तौर पर हरियाणा का युवक रह रहा है। प्रेम प्रसंग में सवार युवा और आगे का रास्ता बनाना चाहता था लेकिन बालिका के परिजन इसके खिलाफ थे। ऐसे में उसने युवती को भगाने की योजना बना ली। बाद में मामला सुहल हो चुका है।

अस्सी हजार करोड़ से अधिक का कर्ज

देहरादून। आर्थिक सर्वेक्षण में पता चला है कि उत्तराखण्ड 80 हजार करोड़ से अधिक के कर्ज पर चल रहा है। राज्य के राजस्व का एक बड़ा हिस्सा इस कर्ज का ब्याज चुकाने में जा रहा है। दूसरी ओर सरकार कर्ज की राशि को सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा मानती है। प्रमुख सचिव नियोजन आर.मीनाक्षी सुन्दरम् ने प्रेसवार्ता में कहा कि एक समय तमिलनाडु, महाराष्ट्र समेत बड़े राज्य कर्ज के बोझ की वजह से परेशान थे। लेकिन आज वे कई सेक्टर में लीड कर रहे हैं।

ग्रीन हाउस गैसों पर नजर रखेगा एरीज

नैनीताल। आर्यभट्ट प्रेक्षण शोध संस्थान (एरीज) आने वाले 50 वर्षों तक वातावरण में मौजूद ग्रीन हाउस गैसों की निरन्तर निगरानी करेगा। इस महत्वाकांक्षी दीर्घ कालिक परियोजना का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गहराई से समझना और वातावरण में हो रहे सूक्ष्म परिवर्तनों का वैज्ञानिक विश्लेषण करना है। संस्थान के निदेशक डॉ. मनीष नजा ने बताया कि इतने लम्बे समय तक लगातार किए जाने वाले अवलोकन से वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों की सांद्रता में होने वाले बदलावों की सटीक जानकारी मिल सकेगी।

शीतल ठाकुर बनी राइजिंग स्टार

चम्पावत। नायर वैली एडवेंचर फेस्टिवल 2026 में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए चम्पावत साहसिक एसोसिएशन की शीतल ठाकुर ने राइजिंग स्टार उत्तराखण्ड का खिताब अपने नाम किया है। शीतल चम्पावत जनपद की प्रथम पैराग्लाइडिंग महिला पायलट होने का गौरव भी रखती हैं। उनकी इस उपलब्धि पर नायर वैली एडवेंचर फेस्टिवल में 25000 रुपये का नकद पुरस्कार, पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कीवी प्रशिक्षण हेतु किसानों का दल रवाना

चम्पावत। बागवानी के क्षेत्र में नई सम्भावनाओं को तलाशने और किसानों की आय वृद्धि के उद्देश्य से डीएम ने उद्यान विभाग के तत्वावधान में होने वाले प्रशिक्षण के लिये किसानों के दल को रवाना किया।

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क 7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड, दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान)
मो.- 9760342346

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
मो.न. 8958525979, 9411134775
फोन सम्पर्क- 05961-222236
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

तिब्बती युवा नेताओं का आरोप

बच्चों को माता-पिता से अलग कर रहा है चीन

नैनीताल। तिब्बत में कथित मानवाधिकार उल्लंघन के मुद्दे को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाने और भारत में तिब्बती समुदाय को मिल रहे समर्थन के प्रति आभार जताने के उद्देश्य से क्षेत्रीय तिब्बती युवा कांग्रेस के दो सदस्य देशभर में मोटर साइकिल रैली निकाल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के सोनल निवासी पूर्व अध्यक्ष लोद्रो पाल्डेन और देहरादून निवासी सदस्य जामयांग तेंजिन 90 दिन की इस रैली के तहत भारत भ्रमण पर हैं।

इन दोनों नेताओं ने आरोप लगाया कि चीन तिब्बत की संस्कृति और पहचान को समाप्त करने की कोशिश कर रहा है। उनके अनुसार चीनी सरकार तिब्बती बच्चों को उनके माता-पिता और मठों से अलग कर चीन भेज रही है ताकि वे वहाँ चीनी भाषा और संस्कृति में ढल जाएं और तिब्बती परम्पराओं से दूर हो जाएं। उन्होंने दावा किया कि अब तक 5 लाख से अधिक बच्चों को तिब्बत से जबरन चीन ले जाया जा चुका है।

यह मोटरसाइकिल रैली पिछले वर्ष 10 दिसम्बर, अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर शुरू हुई थी। रैली के दौरान दोनों यात्री 21 राज्यों और तीन केन्द्रशासित प्रदेशों से गुजरेंगे। नैनीताल पहुंचने पर तिब्बती और भोटिया समुदाय की ओर से उनका पारम्परिक तरीके से स्वागत किया गया। तिब्बत बाजार के समीप आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने भारत सरकार और यहाँ की जनता द्वारा तिब्बती समुदाय को दिए जा रहे समर्थन और प्रेम के लिए आभार व्यक्त किया।

जामयांग तेंजिन ने बताया कि इस रैली का मुख्य उद्देश्य भारत के लोगों को तिब्बत की स्थिति से अवगत करना और भारत सरकार तथा संयुक्त राष्ट्र संघ को तिब्बत में मानवाधिकारों के मुद्दे पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत गुरु और तिब्बत शिष्य की तरह हैं तथा दोनों देशों के बीच प्रेम और सद्भाव बना रहना चाहिए।

हल्द्वानी फैलता महानगर

इमारत ध्वस्त होना आश्चर्य की बात नहीं

ऊंचापुल में राजस्व विभाग की कार्रवाई

अभी कालाढूंगी रोड में कई हैं निशाने पर

हल्द्वानी। जिला प्रशासन व नगर निगम ने राजस्व विभाग की भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाई गई इमारत को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया। ऊंचापुल क्षेत्र में एक दशक पुरानी इमारत का टूटना आश्चर्य की बात इसलिए नहीं है क्योंकि इस शहर में रसूखदारों ने प्रकार से महल खड़े कर दिये वह भी आश्चर्य की बात नहीं थे। इनका बनना और टूटना आम जनता के लिये रोमांचकारी है क्योंकि जैसे-तैसे गुजर-बसर करने वाले जानते हैं कि ईमानदार जीवन जीने वालों को अपना घरौंदा बनाने में बहुत कष्ट उठाने पडते हैं। रोजी-रोटी की तलाश में भटकते लोग जानते हैं कि उनके सामने कितना संकट है।

हल्द्वानी महानगर के फैलाव के साथ इसके सुन्दरीकरण की बड़ी योजना पर पिछले दो साल से जिस प्रकार का कार्य चल रहा है उसमें सड़कों का चौड़ीकरण और चौराहों का फैलाव भी है। इसके लिये बीच-बीच में प्रशासन की हरकत दिखाई देती है। इसी क्रम में ऊंचापुल के समीप दोमंजिला इमारत भी चौड़ीकरण की जद में आ रही थी। बताया जाता है कि जिसे सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाया गया था। भवन हटाने के लिये नोटिस के बाद भी इसे नहीं हटाया जा रहा था। सिटी मजिस्ट्रेट एपी बाजपेयी व नगर आयुक्त परितोष वर्मा के नेतृत्व में नगर निगम व प्रशासन की संयुक्त टीम ने इस इमारत को ध्वस्त कर दिया। इस इमारत में दस दुकानें थीं। इतना बड़ा भवन बनने के पीछे यह भी कहा जा रहा है कि कब्जाधरक का राजनैतिक रसूख कम नहीं है।

ऊंचापुल में इमारत को जेसीबी से ध्वस्त करने के बाद उन जगहों पर हड़कम्प है जहाँ नाले, सड़क, फुटपाथ घेरकर कब्जा कर लिया गया है। चूंकि सड़क चौड़ीकरण के लिये पहले से ही कहा जा चुका है, इसके बावजूद अपने आप से कब्जा न हटाने वाले निशाने पर आना तय हैं। नैनीताल रोड, बरेली रोड, कालाढूंगी रोड पर चल रहे अभियान के बावजूद जाम की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। वाहनों के बढ़ते दबाव से शहर का गला घुट चुका है। चौराहों पर लगने वाले जाम से राहगीर परेशान हो रहे हैं। आने वाले समय को देखते हुए सड़कों के चौड़ीकरण की इस कार्रवाई में प्रशासन ने सभी से सहयोग की अपील दोहराई है। कालाढूंगी चौराहे में मन्दिर शिफ्ट होने के बाद उसका सुन्दरीकरण भी होना है।

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804
YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

नव सम्वत्सर 'रौद्र' की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-
नवीन सिंह जंगपांगी
नियर- हरलाल पेट्रोल पम्प पिथौरागढ़
(पिथौरागढ़)

भूपाल सिंह बरफाल
जोहार कालोनी, पुलिस लाइन पिथौरागढ़

प्रकाश चन्द्र भट्ट
श्री गणेश दत्त भट्ट
ग्राम- अलई,
पो० बाड़ेछीना
(अल्मोड़ा)

टी.एस.बृजवाल
(रिटा.सीडीओ)
ग्राम- छड़ायल सुयाल
हिमालयन कलोनी
पो.पश्चिम मानपुर,
हल्द्वानी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)